जे.पी. नड्डा ने दशहरा मैदान से 51 रथ रवाना कर भाजपा जनाक्रोश यात्रा का आगाज़ किया

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने जनाक्रोश कार्यक्रम की व्यवस्थित रूपरेखा और कार्य योजना के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और उनकी टीम को बधाई दी

जयपुर, 1 दिसम्बर (का.सं.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जयपुर के दशहरा मैदान से 51 रथों को रवाना कर जन आक्रोश यात्रा का आगाज किया। ये रथ भाजपा राजस्थान इकाई द्वारा आयोजित जन आक्रोश यात्रा के तहत प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे। नड्डा ने भाजपा राजस्थान का 'जन-आक्रोश' गीत भी लॉन्च किया। ज्ञातव्य है कि, प्रदेश में अन्य स्थानों से भी रथ रवाना किए गए। इस प्रकार कुल 200 रथ जनाक्रोश यात्रा के लिए रवाना हुए हैं।

बताया गया कि, भाजपा इन यात्राओं के माध्यम से 14 दिनों में राज्य के लगभग 2 करोड़ लोगों तक पहुंचेगी और प्रदेश के सभी 8 करोड़ लोगों तक इसका संदेश जाएगा, जिसमें कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार की नाकामियों को उजागर किया जाएगा। इस यात्रा के दौरान पूरे प्रदेश में लगभग 75,000 से अधिक किमी का सफ़र तय किया जाएगा और लगभग 20 हजार चौपाल और 20 हजार नुक्कड़ सभाएं भी आयोजित की जायेंगी। नड्डा ने जयपुर में भगवान श्रीराम मंदिर में पूजा अर्चना की और गुरूद्वारा में मत्था टेककर राजस्थान सहित देश की खुशहाली और तरक्की की कामना की।

नड्डा ने कहा, भगवान गोविंदेव की पावन नगरी में मुझे यहां के कार्यकर्ताओं और जनता से मिलने का सौभाग्य मिला। वीरों, महापुरूषों और संतों की पवित्र राजस्थान की धरती को प्रणाम करता हूं। नड्डा ने संबोधन में कहा कि, इस जन आक्रोश यात्रा के माध्यम से जन विरोधी कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी, झूठे वादे और जंगलराज को जनता के सामने लाया जाएगा तथा केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। नड्डा ने कहा कि, जन आक्रोश यात्रा के ऐतिहासिक कार्यक्रम की रूपरेखा और कार्ययोजना के लिए राजस्थान भाजपा इकाई और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और इनकी पूरी टीम भाजपा को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार का इंजन हमेशा राजस्थान के विकास के लिए मजबूती से खड़ा है लेकिन अशोक गहलोत केन्द्र की, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन सहित तमाम योजनाओं में रोड़ा अटकाकर राजस्थान को विकास में पीछे धकेलने का काम कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरूवार को "जन आक्रोश रथ" यात्रा रवाना करने के लिये जयपुर पहुंचे। आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सहित वरिष्ठ नेताओं से कई राजनैतिक मुद्दों पर चर्चा की।

- **डॉ. सतीश पूनिया ने अपने भाषण में कहा, राजस्थान में भ्रष्टाचार का नतीजा यह है कि राहुल गांधी आटे को लीटर में बांटते हैं, लेकिन राजस्थान में भ्रष्टाचार किलोमीटर में है, हर 12 किलोमीटर पर भ्रष्टाचार है।**
- **इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री राजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने वादाखिलाफी और झूठे वादों को लेकर कांग्रेस सरकार को कोसा।**

इस दौरान, डॉ. सतीश पूनिया ने अपने संबोधन में कहा कि, राहुल गांधी यात्रा पर हैं लेकिन उस यात्रा से पहले राजस्थान की भाजपा का उनसे सवाल होगा कि, आपने 2018 में कहा था कि, 10 तक गिनती गिनूंगा और किसानों का पूरा कर्जा माफ कर दूंगा। राजस्थान के 60 लाख किसान, 1 लाख 20 हजार करोड़ के कर्जे की माफी का आज भी इंतजार कर रहे हैं। भ्रष्टाचार का नतीजा यह है कि राहुल गांधी आटे को लीटर में बांटते हैं, लेकिन राजस्थान में भ्रष्टाचार किलोमीटर में है, हर 12 किलोमीटर पर भ्रष्टाचार है। अरूण सिंह ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि, कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ पूरे प्रदेश में हाहाकार है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत डिप्टी सीएम और पीसीसी चीफ रहे वरिष्ठ नेता को गद्दार कहते हैं और इनके प्रदेश प्रभारी प्रदेश छोड़कर चले जाते हैं और इनके राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल अनुशासन का पाठ पढ़ाते हैं और इसके बाद भी इनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता बयानबाजी कर अनुशासन का माखौल उड़ाते हैं। उन्होंने कहा, गहलोत-पायलट की लड़ाई ने राजस्थान को विकास में बहुत पीछे धकेल दिया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, केन्दीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने भी सभा को संबोधित किया।

भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों का डोटासरा ने लिया जायजा

राजगढ़-बांदीकुई सीमा पर वर्षा होटल पर स्वागत होगा

- **डोटासरा ने राहुल गांधी के स्वागत की तैयारियां भी देखीं। इस दौरान उनके साथ पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह भी मौजूद थे।**
- **राजगढ़ क्षेत्र में भारत जोड़ो यात्रा के आगमन पर आगंतुकों के लिए भोजन व्यवस्था, विश्राम एवं वाहनों की पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में विचार-विमर्श किया गया।**

राजगढ़ अलवर, 1 दिसम्बर (निसं)। भारत जोड़ो यात्रा में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के अलवर आगमन पर स्वागत की तैयारियों को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं अधिकारियों ने दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

राजगढ़ बांदीकुई सीमा पर भारत जोड़ो यात्रा के प्रमुख राहुल गांधी के स्वागत की तैयारियों को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान डोटासरा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, मंत्री टीकाराम जूली एवं जिला कलैक्टर जितेंद्र सोनी, एसपी तेजस्विनी गौतम एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारियों ने तैयारियों को लेकर क्षेत्रीय विधायक जौहरी लाल मीणा एवं प्रतिनिधि उम्मेदी लाल मीणा को व्यवस्थाओं से संबंधित जिम्मेदारी दी। राजगढ़ क्षेत्र के सुरेर गांव के पास में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी एवं आने वाले काफिले की भोजन व्यवस्था की गई है।

विधायक प्रतिनिधि उम्मेदी लाल मीणा, उपखंड अधिकारी ओम प्रकाश मीणा, पुलिस उप अधीक्षक अंजली जोरवाल, तहसीलदार जुगिता मीन एवं ब्लॉक के अधिकारियों ने व्यवस्थाओं को लेकर बारीकी से जांच पड़ताल कर व्यवस्था का रोडमैप तैयार किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में भारत जोड़ो यात्रा के आगमन एवं तैयारियों के अलावा मालाखेड़ा में प्रस्तावित आमसभा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर राजगढ़ क्षेत्र में भारत जोड़ो यात्रा के आगमन पर आगंतुकों के लिए भोजन व्यवस्था, विश्राम एवं वाहनों की पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे मे विचार विमर्श किया।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की राजगढ़ आगमन एवं मालाखेड़ा में होने वाली आम सभा को लेकर क्षेत्रीय विधायक जोहरी लाल मीणा एवं उनके प्रतिनिधि पुत्र उममेदी लाल मीणा को समर्थकों की संख्या का निर्धारण किया गया। राजगढ़ क्षेत्र से अधिक संख्या में लोगों को आम सभा में लाने का आव्हान भी किया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली, जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला कांग्रेस कमेटी के योगेश व्यास, उर्मिला योगी, डीसी मीणा, बना राम मीणा, एन एल वर्मा, एवं भारी संख्या में कांग्रेसी, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

चावल के कट्टों की आड़ में गुजरात जा रही शराब जब्त

- **पुलिस ने डूंगरपुर की बिछीवाड़ा थाना सीमा पर 25 लाख रू. की अंग्रेजी शराब जब्त की और चालक को गिरफ्तार किया।**

डूंगरपुर, 1 दिसम्बर (निसं)। बिछीवाड़ा थाना की सीमा पर तैनात रतनपुर पुलिस ने चावल के कट्टों की आड़ में गुजरात जा रही करीब 25 लाख की अंग्रेजी शराब के साथ चालक को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी बिछीवाडा, अनिल देवल से मिली जानकारी अनुसार, पड़ौसी राज्य गुजरात में होने जा रहे चुनाव के मद्देनजर की जा रही नाकेबंदी के दौरान मुखबीर की सूचना पर उदयपुर से आ रहे और गुजरात की तरफ जा रहे ट्रक को रुकवा चैक किया गया। जाँच के दौरान ट्रक में चावल से भरे कट्टे दिखाई दिए, लेकिन कट्टों को हटाकर देखा तो कट्टों के नीचे कार्टूनों में हरियाणा और राजस्थान निर्मित शराब भरी हुई दिखाई दी।

ट्रक और चालक को हिरासत में लेकर शराब पेटियों की गिनती की गई जिसमें अंग्रेजी शराब और बियर के कुल 32 कार्टन पाए गए। पकड़ी गई शराब की बाजार में करीब 25 लाख रुपये कीमत बताई जा रही है। चालक को गिरफ्तार कर बिछीवाड़ा पुलिस जाँच करने में जुट गई है।

'कांग्रेस विधायकों के इस्तीफों पर निर्णय क्यों नहीं?'

- **भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ ने हाई कोर्ट में याचिका पेश कर विधानसभा स्पीकर से विधायकों के इस्तीफों पर निर्णय लेने की गुहार की है।**

जयपुर, 1 दिसंबर (का.सं.)। कांग्रेस के 91 विधायकों के इस्तीफे का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने गुरुवार को अपने अधिवक्ता हेमंत नाहटा के साथ हाइकोर्ट पहुंच कर याचिका दायर की है। याचिका में गुहार की गई है कि, विधानसभा स्पीकर इन विधायकों के इस्तीफे पर निर्णय लें।

याचिका में कहा गया कि, कांग्रेस के 91 विधायकों ने गत 25 सितंबर को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे दिए थे। इसके बाद 18 अक्टूबर, 19 अक्टूबर, 12 नवंबर और 21 नवंबर को याचिकाकर्ता ने स्पीकर को प्रतिवेदन देकर इन इस्तीफों के बारे में निर्णय लेने का आग्रह किया था। तथापि, स्पीकर ने अब तक इन इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया है। याचिका में कहा गया कि, यदि कोई विधायक इस्तीफा स्वयं पेश करता है तो, विधानसभा प्रक्रिया नियम 173 के तहत स्पीकर के पास इस्तीफा स्वीकार करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं होता। सिर्फ, इस्तीफा स्वैच्छिक और जैन्विन है या नहीं, इस बात को लेकर ही जांच की जा सकती है। याचिका में यह भी कहा गया कि, यह असंभव है कि इतनी बड़ी संख्या में विधायकों से जबरन इस्तीफों पर हस्ताक्षर करवाए गए हों या उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए हों। विधायकों के इस्तीफे देने के कारण सरकार सदन में अपना विश्वास खो चुकी है। इसके बावजूद भी इस्तीफा देने वाले मंत्रिमंडल और मंत्रिपरिषद सहित अन्य सरकारी बैठकों में शामिल हो रहे हैं।

याचिका में यह भी गुहार की गई है कि इस्तीफा देने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक किए जाएं और बतौर विधायक इनका विधानसभा में प्रवेश रोका जाए। हाईकोर्ट की खंडपीठ मामले में अगले सप्ताह सुनवाई कर सकती है।

जयपुर खेलने गए खिलाड़ी की मौत

- **जयपुर में चल रही राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतिस्पर्धा में खेलने आए डूंगरपुर के 14 वर्षीय खिलाड़ी, रौनक दर्जी की ट्रेन हादसे में मौत हो गई।**

डूंगरपुर, 1 दिसम्बर (निसं)। जयपुर में राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेने गए डूंगरपुर जिले के एक खिलाड़ी की हादसे में मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार सहित समूचे जिले में शोक की लहर छा गई है।

मृतक छात्र रौनक

प्राप्त जानकारी अनुसार, जिले की सागवाड़ा पंचायत समिति अंतर्गत भीलूडा गांव के गुरुकुल पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल में कक्षा आठ में अध्ययनरत 14 वर्षीय रौनक, पुत्र मुकेश दर्जी, 29 अक्टूबर से तीन दिसम्बर तक जयपुर में प्रस्तावित 14 वर्षीय राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए चयनित हुआ तथा जिला टीम के साथ जयपुर पहुंचा था। शुक्रवार सुबह पूरी टीम जयपुर के करथनी थाना क्षेत्र के खिरनी रेलवे फाटक के पास पहुँची। बताया जा रहा है कि, रेलवे फाटक बंद था। इस दौरान एक शिक्षक एवं एक विद्यार्थी ने पटरी क्रॉस कर ली। रौनक भी लाइन क्रॉस करने गया तभी ट्रेन आ गई तथा रौनक उसकी चपेट में आ गया। रौनक को तुरंत नजदीक के मरुधर हॉस्पीटल में भर्ती कराया, जहाँ उपचार के दौरान रौनक की मृत्यु हो गई। जिले में हादसे की जानकारी मिलते ही शोक छा गया।

मिली जानकारी अनुसार, रौनक तीन बहनों का इकलौता भाई था। पिता मुकेश कुवैत में रोजगारत हैं, अभी घर आए हुए हैं। बेटे के जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन से परिवार खुशी के माहौल में था तथा राज्य स्तर पर उसके अच्छे प्रदर्शन की प्रार्थनाएं कर रहा था। हादसे की जानकारी मिलने पर परिवार टूट गया है।

24 साल बाद भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस पी.एस. नरसिंहा की एक बैंच ने यशपाल और अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किए। बैंच ने ध्यान दिलाया कि इनमें से कुछ तो पिछले 24 वर्षों से रक्षा मंत्रालय में निरंतर कार्यरत हैं, लेकिन इन्हें नियमित नहीं किया गया है। याचिका में कहा गया कि "याचिकाकर्ताओं को अब भी दैनिक वेतनभोगी लोडर माना जा रहा है और भारत सरकार की वर्ष 1993 की आकस्मिक श्रमिकों को लेकर बनी योजना (ग्रांट ऑफ टैम्परेरी स्टेट्स एण्ड रैग्यूलराइजेशन) अब तक लागू नहीं की गई है। इस संबंध में भारत सरकार और रक्षा मंत्रालय ने दिनांक 14.10.1993 को तीनों सेनाओं के प्रमुखों- यथा थल सेनाध्यक्ष, नौ सेना अध्यक्ष और वायु सेना अध्यक्ष को पत्र लिखे थे। याचिका में मांग की गई कि प्रार्थियों को भारतीय सेना में नियमित लोडर्स माने जाने के उचित निर्देश प्रदान किए जाएं और उन्हें नियमित लोडर्स की भांति सारे लाभ दिए जाएं।

सांभर में ए.डी.एम. कार्यालय के लिए 40 साल से बार एसोसिएशन का संघर्ष

भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के लिए कार्यालय खुलवाना चुनौती बन गया

- **ए.डी.एम. कार्यालय नहीं होने की वजह से मुकदमों में अनावश्यक विलंब हो रहा है तथा लोगों को सही समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है।**

सांभरझील, 1 दिसम्बर (निसं)। सांभर उपखंड मुख्यालय पर अपर जिला कलेक्टर के दफ्तर को खुलवाए जाने के लिए विगत 40 साल से बार एसोसिएशन, सांभर हरेक सरकार के समक्ष पुरजोर तरीके से अपना पक्ष रखता आ रहा है, लेकिन इसके बावजूद आज तक यह मांग उपेक्षित है।

यद्यपि सांभर उपखंड मुख्यालय पर अपर जिला कलेक्टर के कार्यालय को खुलवाने के लिए वर्ष 1984 में क्षेत्र के पक्षकारों को राहत एवं न्यायिक कार्य में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से विकल्प के तौर पर कोर्ट कैंप के आदेश प्रसारित किए थे, लेकिन बाद में इस व्यवस्था को भी समाप्त कर दिया गया और विगत 4 दशकों से राजस्व मुकदमों की सुनवाई एवं उसकी अपील के लिए क्षेत्र के पक्षकारों को अपने वकीलों के माध्यम से जिला कार्यालय जयपुर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि सांभर मुख्यालय पर इस प्रकार की व्यवस्था नहीं होने के कारण मुकदमों में अनावश्यक विलंब हो रहा है समय पर पक्षकारों को न्याय नहीं मिलने से वे मानसिक प्रताड़ना भी सह रहे हैं। काबिलेगौर है कि विगत 1 वर्ष पूर्व ही सांभर उपखंड के न्यायिक क्षेत्राधिकार को यहां से हटा कर एडीएम दूदू के अधीन किये जाने का अभिभाषक संघ की ओर से भारी विरोध किया गया था, क्षेत्र की जनता को मिले प्रबल समर्थन के परिणाम स्वरूप सरकार को उक्त फैसले को वापस लेना पड़ा, लेकिन अभी तक भी सरकार ने सांभर उपखंड मुख्यालय पर एडीएम के दफ्तर को खुलवाने के लिए कोई संकेत नहीं दिए हैं।

यह बताना जरूरी है कि बार एसोसिएशन को अब तक आम जनता की ओर से मिले समर्थन के बावजूद भाजपा और कांग्रेस के सक्षम राजनेता चार दशकों से एडीएम का दफ्तर खुलवाने में कमजोर ही साबित हो रहे हैं जिसका सबसे बड़ा नुकसान पक्षकारों के साथ-साथ वकीलों को भी उठाना पड़ रहा है।

बता दें कि करीब डेढ़ साल पहले बार एसोसिएशन सांभर के पूर्व अध्यक्ष शेख शमीम उल हक, पूर्व सचिव नरेंद्र कुमार शर्मा, लक्ष्मण सिंह खंगारोत, कॉल सिंह खंगारोत, वर्तमान अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह खंगारोत, सचिव सुरेश कुमार शर्मा, भागचंद सांभरिया, वीरेंद्र सिंह शेखावत, उपाध्यक्ष युगराज माथुर, पुस्तकालय सचिव इलियास बाबू रंगरेज, राहुल वीर गुर्जर, दिव्य राजवीर गुर्जर सहित अनेक वकीलों के शिष्टमंडल ने राजस्व मंत्री से मुलाकात भी की थी तथा इस आशय का एक प्रतिवेदन भी मंत्री हरीश चौधरी व सचिन पायलट को भी सौंपा गया था। लेकिन इसके बावजूद भी अभी तक कोई सकारात्मक परिणाम नजर नहीं आ रहे हैं।

इस मामले में अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत से बात करने पर बताया कि हमारी वर्षों पुरानी मांग आज भी पेंडिंग चल रही है, जिससे क्षेत्र को बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। जनता का तो पूरा साथ है। सरकार में अपनी गहरी पकड़ रखने वाले सक्षम लोग जब तक दिल से साथ नहीं लगेंगे, तब तक इस मांग का समाधान होना एक प्रकार से मुश्किल ही है। बार एसोसिएशन अपनी इस जायज मांग को पूरा करवाने के लिए आगे भी इसी प्रकार संघर्ष करता रहेगा शीघ्र ही रणनीति तैयार कर नियमानुसार प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

भारत की इकॉनमी के बारे में नवीनतम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्माण देश में किया जा सकता था।

मुझे एक जर्मन राजनयिक का वाकया याद आया। उसने मुझे बताया कि वह अपने दिल्ली वाले घर के लॉन के लिए गार्डन अम्ब्रेला खरीदना चाहता था, पर उसको पूरे भारत में कहीं भी भारत में बना गार्डन अम्ब्रेला नहीं मिला।

यह अजीब बात है कि भारत का निर्माण क्षेत्र वर्षों से सुस्त रहा है। इसी के साथ हमने चुनिंदा क्षेत्रों में तो भारी कायापलट देखा है। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग तो मानो शैशव अवस्था में था, सिर्फ कुछ ही कारें बनती थी वो भी बहुत महंगे दामों पर और अधिकांश का सर्विस व रिपेयर की जरुरत पड़ती थी। पर आज अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कारों का निर्माण होता है, यहां तक इनमें से कई तो विकसित देशों को निर्यात भी होती है। अब तो भारतीय ऑटोमोबाइल विश्व के बाजार में प्रमुख प्रतिस्पर्धी बन गया है। टाटा मोटर्स भी वैश्विक मार्केट में कभी भी गंभीरता से नहीं लिया गया आज सर्वश्रेष्ठ कम्पनियों से मुकाबला कर रही है।

निर्माण क्षेत्र की विफलता के साथ कई अन्य कमियां भी है। अगर हम कम लागत में निर्माण नहीं करेंगे तो प्रमुख निर्यातक कैसे बनेंगे। जापान का आर्थिक विकास भी निर्यात की नीति पर चलने के साथ हुआ है और दक्षिण कोरिया भी इसी नीति पर चल कर निर्माण में सफल हुआ है।

चीन का मॉडल बताता है कि अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में निर्माण उद्योग की भूमिका क्या है। चालीस साल पहले चीन और भारत की आर्थिक स्थिति लगभग एक जैसी थी फिर निर्माण में चीन की प्रगति और निर्यात पर इसके प्रभाव चीन को वह बना दिया जो आज वह है।

चीन का अनुभव भारत में दोहराना लगभग असंभव सा है क्योंकि वहां अलग राजनैतिक व्यवस्था है। भारत उद्योग क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या निर्माण सैक्टर का विकास करना रहा है यह एक राजनैतिक मुद्दा है और इसके वैसे ही हल करना चाहिए।

अगर निर्माण क्षेत्र विकसित नहीं हो पाता है तो सर्विस सैक्टर की निरंतर सफलता आशा की किरण है। भारतीय सेवायें, का उत्तरोत्तर विकास हुआ है और अब फिर से यह गति पकड़ता लग रहा है।

इस वर्ष सेवा क्षेत्र में अच्छी ग्रोथ दिखी है। अगर भारत को अपनी ग्रोथ रेट 8 प्रतिशत से ऊपर रखनी है, सर्विस सैक्टर की ग्रोथ रेट दहाई के अंक को पार करनी चाहिए।

सर्विस सैक्टर ग्रोथ से इंडियन सर्विस इंडस्ट्री की प्रतिस्पर्धा भी दशाई है। आई.टी.ई.एस. (इनफॉर्मेशन टैक्नॉलजी ऐनेबल्ड सर्विस) जो सरकार की मदद के बिना आगे बढ़ा है या कहें कि सरकार ने इसमें फालतू दखल नहीं दिया। अब अवश्य कभी भी इसमें हस्तक्षेप के प्रयास होते है।

इन आकड़ों से यह भी पता चला है कि अर्थव्यवस्था पूरी तरह से निजी उपभोग पर निर्भर करती है।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, अब, जबकि भारत ने इस महत्वपूर्ण पद को ग्रहण किया है, मैं अपने आपसे यह पूछता हूँ कि, क्या जी-20 अभी भी और आगे बढ़ सकता है? क्या हम समग्र मानवता के कल्याण के लिए मानसिकता में मूलभूत बदलाव को उत्प्रेरित कर सकते हैं? मेरा विश्वास है कि हम ऐसा कर सकते हैं।

मोदी ने कहा, कि "भारत की जी-20 की अध्यक्षता दुनिया में एकता की सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देने की ओर काम करेगी। इसलिए हमारी थीम है, "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" अर्थात् वसुधैवकुटुम्बकम।"

उन्होंने आगे कहा, "विश्व आज जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और महामारी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जिन्हें आपस में लड़कर नहीं बल्कि, एक साथ मिलकर काम करके ही सुलझाया जा सकता है।"

भारत सरकार ने सभी अखबारों में विज्ञापन प्रकाशित किया, जिसमें कहा गया है, "प्रजातंत्र की जननी जी-20 की मेज़बानी करेगी।" वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर के अखबारों के सम्पादकीय पृष्ठों में "गैस्ट कॉलम" लिखा, यह जोर देते हुए कि जी-20 समग्र मानवता को लाभ पहुँचाएगा।

'सुबह छः बजे से चलना और दिन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किमी से कम नहीं चलना।"

उन्हें आगे यह कहते हुए सुना जा सकता है कि यात्रा के मध्य प्रदेश के चरण के लिए राहुल की तीन पूर्व शर्तें थीं। सूची में आदिवासी नेता टंट्या भील की जन्मस्थली की यात्रा, ओंकारेश्वर और महाकाल मंदिर के दर्शन शामिल हैं। सूची के इन तीनों बिन्दुओं को टिक कर लिया गया। नाथ को गांधी के साथ हर कहीं देखा गया। ओंकारेश्वर से लेकर उज्जैन के महाकाल मंदिर के गर्भ गृह तक।

जनता के साथ बार-बार होने वाली उनकी बातचीत में राहुल गांधी की उनकी फिटनैस को लेकर अधिक तारीफ की जा रही है। वे ना केवल अपनी यात्रा में चलने वालों में सबसे आगे रहते हैं, बल्कि उन्हें पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ते हुए और सड़क पर पशु-अप्स करते हुए भी देखा जा सकता है। पार्टी के सीनियर नेता प्रायः उनसे पिछड़ जाते हैं। यात्रा के कर्नाटक चरण के दौरान सिद्धारमैया ही गांधी के साथ कदम-ताल मिलाकर चल पाए थे।

पार्टी के सीनियर नेता दिग्विजय सिंह यात्रा के दौरान खारगोन जिले में चलते वक्त लड़खड़ा कर नीचे गिर गए थे। कांग्रेस ने इसका दोष राज्य की सड़कों की खराब स्थिति को दिया था। इस पर भाजपा ने एक वाक् युद्ध छेड़ दिया था।

नाथ के वीडियो पर मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने एक तीखी टिप्पणी व्यक्त की है।

मिश्रा ने अपने ट्वीट में लिखा कि "कमलनाथ जी मैंने आपका वीडियो देखा है और मैं आपका दर्द महसूस कर सकता हूं।" मिश्रा के ट्वीट में आगे कहा गया है, और राहुल गांधी भी आपको यात्रा में तीन स्थल जोड़ने के लिए बाध्य कर रहे हैं। आपका दर्द स्पष्ट है और आपके शब्द भी धर्म और आदिवासियों को लेकर राहुल गांधी के पाखण्ड को उजागर कर दिया है।

मैं प्रार्थना करता हूं कि राहुल गांधी उन लोगों को बाध्य ना करें जो शारीरिक रूप से कमजोर होने के कारण यात्रा में चल नहीं सकते, क्योंकि ऐसा होने पर ये लोग मरने की बात करने लगेंगे। कृपया यह सुनिश्चित करें कि आपका कार्यक्रम किसी के लिए नुकसानदेह साबित ना हो।"

एक दिन के अवकाश के बाद यात्रा गुरुवार को उज्जैन से पुनः शुरु हुई और अगार मालवा की तरफ रवाना हुई।

यह स्थल यात्रा के मध्य प्रदेश चरण का अंतिम पड़ाव है। यात्रा का कार्यक्रम पश्चिमी मध्य प्रदेश के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माने जाने वाले मालवा-निवाड़ क्षेत्र तक की 380 किमी. दूरी 12 दिन में कवर करने का है। भाजपा शासित इस राज्य में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं।

कांग्रेस द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार मध्य प्रदेश के बाद यात्रा 4 दिसम्बर को राजस्थान में प्रवेश करेगी।

राहुल गांधी की यात्रा ने गत 23 नवम्बर को पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में प्रवेश किया था।

मध्य प्रदेश में यह यात्रा अब तक बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन और इन्दौर जिलों से गुजर चुकी है।

कम्प्यूटर से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, लेकिन मस्क ने कहा कि, यह इम्प्लांट सबसे पहले किसी ऐसे व्यक्ति में लगाया जाएगा जो अपनी मांसपेशियों का उपयोग नहीं कर सकता। "वो व्यक्ति फिर, उस व्यक्ति की तुलना में अधिक तेजी से अपना फोन ऑपरेट कर सकेगा जिनके हाथ काम करते हैं।"

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908